भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 554

बुधवार, 06 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

व्यापार सुगमता

554. श्री मद्दीला गुरुमूर्ति:
श्री मारगनी भरत:
श्री एन. रेड्डप्प:
श्री बेल्लाना चन्द्रशेखर:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि विश्व बैंक के पास उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार भारत व्यापार सुगमता के मामले में 62वें स्थान पर है;
(ख) क्या व्यापार सुगमता सूचकांक का राज्य-वार आकलन किया गया है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(घ) क्या सरकार के अनुमानों के अनुरूप वर्ष 2019 की रैंकिंग सुधार हुआ है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सोम प्रकाश)

(क): विश्व बैंक द्वारा बंद किए जाने से पहले, अक्तूबर, 2019 में अंतिम बार प्रकाशित विश्व बैंक की डूइंग बिजनेस रिपोर्ट (डीबीआर), 2020 में भारत का 63वां स्थान था। पांच वर्ष के दौरान, डीबीआर में भारत 79 रैंकों का सुधार करते हुए वर्ष 2014 में 142वें से वर्ष 2019 में 63वें स्थान पर पहुंच गया।

(ख) और (ग): जी, नहीं। यद्यपि, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), भारत सरकार, व्यवसाय सुधार कार्य-योजना (बीआरएपी) के तहत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्र में कारोबारी माहौल का आकलन करता है। बीआरएपी के तहत, कार्य योजना में निहित निर्धारित सुधार मानदंडों के कार्यान्वयन के आधार पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों का मूल्यांकन किया जाता है। कुछ सुधार क्षेत्र इस प्रकार हैं: निवेश इनेबलर्स, सूचना तक पहुंच और पारदर्शिता, ऑनलाइन सिंगल विंडो प्रणाली, भूमि आबंटन, निर्माण परमिट इनेबलर्स, श्रम विनियम इनेबलर्स, पर्यावरण पंजीकरण इनेबलर्स, निरीक्षण इनेबलर्स, उपयोगिता परमिट प्राप्त करना, संविदा लागू करना, क्षेत्र विशिष्ट सुधार आदि।

अद्यतन स्थिति के अनुसार, बीआरएपी के पांच संस्करण (2015, 2016, 2017-2018, 2019 और 2020) पूरे हो चुके हैं और तदनुसार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों का मूल्यांकन किया गया है।

(घ) और (ङ): विश्व बैंक ने सितंबर, 2021 में डीबीआर को बंद कर दिया है और इसकी अंतिम रिपोर्ट अक्तूबर, 2019 में प्रकाशित हुई थी।

*****